



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधानमंत्री से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 154)
No. 154)

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 8, 1984/वैसाख 18, 1906
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 8, 1984/VAISAKHA 18, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असाधारण संकलन के क्षेत्र में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

प्रधिमूल्य
नई दिल्ली, 8 मई, 1984

सा० का० नि० 331(अ) — श्रीष्ठि और प्रसाधन मामग्री नियम, 1945 को श्रीष्ठि और संगीधन करने के लिए कुछ प्रारूप नियम श्रीष्ठि और प्रसाधन मामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और 33 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 385(अ), तारीख 12 मई 1983 के प्रधीन, भागन के राजपत्र, अमाधारण, भाग 2, खड़ 3, उपखंड (i) तारीख 12 मई, 1983 के पृष्ठ 1 से 3 पर प्रकाशित किए गए थे जिनमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, ऐसी तारीख से, जिसके ऐसे राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना अन्विष्ट थी, नब्बे दिन की

संक्षिप्त में पहले आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त राजपत्र की प्रतियों 27 मई, 1983 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, उक्त प्राप्ति के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर सियाँ हैं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 12 और 33—श्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार श्रीष्ठि नक्तीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात् श्रीष्ठि और प्रसाधन मामग्री नियम, 1945 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम श्रीष्ठि और प्रसाधन मामग्री (द्वितीय संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में
जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्ता नियम कहा गया है)
नियम 677 के खंड (5) के पश्चात् निम्नलिखित खंड
जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(6) भनुश्चिकारी, किसी निरीक्षक को उसके संप्रेक्षण
और उसके धारा पाई गई सूटियों को अभिलिखित करने के लिए समर्थ बनाने के लिए प्रस्तु
35 में एक निरीक्षण प्रस्तुत रखेगा।”

3. उक्ता नियमों के नियम 74-ख के खंड (5) के पश्चात् निम्नलिखित खंड जोड़ा जाएगा, अर्थात् —

“(6) अनुजप्तिधारी, किसी निरीक्षक को उसके संप्रेक्षण और उसके द्वारा पाई गई सुटियों को अभिलिखित करने के लिए समर्थ बनाने के लिए प्ररूप 35 में एक निरीक्षण प्रस्तक रखेगा।”

‘४. उक्त नियमों के नियम ७८-के खंड (६) के अधिकार निम्नलिखित खंड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :

“(7) भनुजप्तिधारी, किसी निरीक्षक को उसके संप्रेक्षण और उसके द्वारा पाई गई तुष्टियों को अधिकृत करने के लिए समर्थ बनाने के लिए प्रख्य 35 में एक निरीक्षण प्रस्तक रखेगा।”

5. उक्त नियमों के नियम 138 में—

(i) उपनियम (1), (2) और (3) के परन्तुक का लोप किया जाएगा:

(ii) उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा। अर्थात् :—

"(4) यदि मूल अनुशंसित निरुपित हो जाती है, क्षणिग्रस्त हो जाती है या खो जाती है, तो उपर्याप्ति (1) के प्रथीन जारी की गई किसी अनुशंसित को दूसरी प्रति के लिए पञ्चास रूपए फीस संदर्भ की जाएगी।"

6. उक्त नियमों के नियम 139 के उपनियम (1) के खंड (ग) और खंड (घ) के प्रत्यक्ष का लोप किया जाएगा।

क. उक्त नियमों के नियम 158 के खंड (ख) के पश्चात् मिम्नलिखित संहृं जोड़ा जाएगा, शर्थातः —

“(ग) प्रमुखपित्तिधारी, किसी निरीक्षक को उसके संप्रेक्षण और उसके द्वारा पाई गई वृद्धियाँ हैं। निरीक्षण करने के लिए समर्थ नहीं हैं, परिप्रबन्ध 35 में एक निरीक्षण पर्याकर रखेंगे।”

8. उक्त नियमों के लिए 10.०८ रुपये (१) हजार निम्नलिखित खंड जोड़ा जाएगा। अर्थात् :—

**"(ग) अनुशिष्टागी, जिन्हीं निरीक्षा को उत्तरे लेंदौग
और उसके द्वारा पाई गई त्रुटियों को अभिलिखित करने के लिए समर्थ बनाने के लिए प्रख्य 32 में एक निरीक्षण पस्तक रखेगा।"**

9. उक्त नियमों की अनुसूची के प्ररूप 35 में, “(नियम 65, 74, 74-क, 78, 85-ज, 142 और 142क देखिए)” कोण्ठकों, शब्दों, वाकों और अक्षरों के स्थान पर

“(नियम 65, 67-ए, 74, 74-क, 74-ज, 78, 78-क, 85-ज, 142, 142-क, 158 और 158-क देखिए)।”

कोष्ठक, शब्द, अंक और अधर रखे जाएंगे।

10. उक्त नियमों की अनुसूची फ, में, प्रविष्टि 2 के पश्चात निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात् —

“3. कैप्सूल के रूप में पेटेन्ट या सांप्रतिक ग्रीष्मधियों के लिए मानक:

कैम्सूल के रूप में किसी प्रेटेन्ट या सापेतिक औषधि के संबंध में भारतीय औषधकोष में कैम्सूल के लिए जोनोग्राफ में विहित विषट्टन परीक्षण का अनुपालन किया जाएगा ।"

टिप्पणी :—तारीख 1-5-1979 तक यथा संशोधित श्रौषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) प्रकाशन में अन्तर्विष्ट है जिसमें श्रौषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम और नियम अन्तर्विष्ट हैं (पी डी जी एच एस-61)। तत्पश्चात् उक्त नियमों में भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (i) में प्रकाशित तिम्नलिखित प्रधिमत्राओं द्वारा संशोधन किए गए, अर्थात् —

- सा० का० नि० 1241 तारीख 6-10-79
 - सा० का० नि० 1242 तारीख 6-10-79
 - सा० का० नि० 1243 तारीख 6-10-79
 - सा० का० नि० 1281 तारीख 12-10-79
 - सा० का० नि० 430 तारीख 19-4-80
 - सा० का० नि० 779 तारीख 26-7-80
 - सा० का० नि० 540 (अ) तारीख 22-9-80
 - सा० का० नि० 680(अ) तारीख 5-12-80
 - सा० का० नि० 681(अ) तारीख 5-12-80
 - सा० का० नि० 682(अ) तारीख 5-12-80
 - सा० का० नि० 27(अ) तारीख 17-1-81
 - सा० का० नि० 478(अ) तारीख 6-8-81
 - सा० का० नि० 62(अ) तारीख 15-2-82
 - सा० का० नि० 462(अ) तारीख 22-6-82
 - सा० का० नि० 510(अ) तारीख 26-7-82
 - सा० का० नि० 13 (अ) तारीख 7-1-83
 - सा० का० नि० 318(अ) तारीख 1-5-84

[सं०एस० 11012/4/82-झी०एम०एस०एण्ड पी० एफ०ए०]
एस० बी० मुक्त्राय्यन, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF HEALTH AND
FAMILY WELFARE**
NOTIFICATION

New Delhi, the 8th May, 1984

G.S.R. 331(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, were published as required by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 1 to 3 of the Gazette of India, Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 12th May, 1983, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 385(E), dated the 12th May, 1983, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the Public on the 27th May, 1983;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the said Act, the Central Government after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely :—

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Second Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 67G after clause (5), the following clause shall be added, namely :—

"(6) The licensee shall maintain an Inspection Book in Form 35 to enable an Inspector to record his impressions and the defects noticed."

3. In rule 74-B of the said rules, after clause (5) the following clause shall be added, namely :—

"(6) The licensee shall maintain an Inspection Book in Form 35 to enable an Inspector to record his impressions and the defects noticed."

4. In rule 78-A of the said rules, after clause (6) the following clause shall be added, namely :—

"(7) The licensee shall maintain an Inspection Book in Form 35 to enable an Inspector to

record his impressions and the defects noticed."

5. In rule 138 of the said rules,—

(i) the provisions to sub-rules (1), (2) and (3) shall be omitted;

(ii) for sub-rule (4) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(4) A fee of rupees fifty shall be paid for duplicate copy of a licence issued under sub-rule (1), if the original is defaced, damaged or lost."

6. In rule 139 of the said rules, in sub-rule (1), the proviso to clause (c), and clause (d), shall be omitted.

7. In rule 158 of the said rules, after clause (b), the following clause shall be added, namely :—

"(c) The licensee shall maintain an Inspection Book in Form 35 to enable an Inspector to record his impressions and the defects noticed."

8. In rule 158-A of the said rules, after clause (d), the following clause shall be added, namely :—

"(e) The licensee shall maintain an Inspection Book in Form 35 to enable an Inspector to record his impressions and the defects noticed."

9. In Schedule A to the said rules, in Form 35, for the brackets, words, figures and letters, "(See rules 65, 74, 74-A, 78, 85-H, 142 and 142-A)" the brackets, words, figures and letters, "(See rules 65, 67-G, 74, 74-A, 74-B, 78, 78-A, 85H, 142, 142A, 158 and 158-A)" shall be substituted.

10. In Schedule V to the said rules, after entry 2, the following entry shall be added, namely :—

"3 Standards for patent or proprietary medicines in capsule form :—

A patent or proprietary medicine in capsule form shall comply with the 'disintegration test' specified in the monograph for 'Capsules' in the Indian Pharmacopoeia."

Note : The Drugs and Cosmetics Rules, 1945, as amended upto 1-5-1979, is contained in the publication of the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) containing the Drugs and Cosmetics Acts and the Rules (PDGHS-61). Subsequently the said rules have been amended by the following notifications published in Part II, Section 3(i) of the Gazette of India, namely :—

1. G.S.R. 1241 dated 6-10-1979.

2. G.S.R. 1242 dated 6-10-1979.

3. G.S.R. 1243 dated 6-10-1979.

4. G.S.R. 1281 dated 12-10-1979.

- | | |
|------------------------------------|------------------------------------|
| 5. G.S.R. 430 dated 19-4-1980. | 13. G.S.R. 62(E) dated 15-2-1982. |
| 6. G.S.R. 779 dated 26-7-1980 | 14. G.S.R. 462(E) dated 22-6-1982 |
| 7. G.S.R. 540(E) dated 22-9-1980. | 15. G.S.R. 510(E) dated 26-7-1982. |
| 8. G.S.R. 680(E) dated 5-12-1980. | 16. G.S.R. 13(E) dated 7-1-1983. |
| 9. G.S.R. 681(E) dated 5-12-1980. | 17. G.S.R. 318(E) dated 1-5-1984. |
| 10. G.S.R. 682(E) dated 5-12-1980. | |
| 11. G.S.R. 27(E) dated 17-1-1981. | [No. X 11012]4 82-DMS & PFA] |
| 12. G.S.R. 478(E) dated 6-8-1981. | S. V. SUBRAMANIYAN, Jt Secy. |